hindustantimes
hindustantimes.com
Lucknow/METRO ‖ Vol. XX No. 295 ‖ Price ₹4.00 ‖ 20 Pages +8 Pages of HT City. Area specific pages extra.
FRIDAY, NOVEMBER 03, 2017

SRMCEM organises conference on e-biz

LUCKNOW : Sri Ramswaroop Memorial College of Engineering and Management (SRMCEM) here organised a three-day-long international conference on e-business starting from Thursday. The conference 'Icon e-biz 2k17' comprised a wide array of theme ranging from e-business to cashless economy. Grand gala was inaugurated by Prof Sudhakar Panda, vice-chancellor, Birla Global University, Orissa. He stressed on the need of e-business in present times. Panda was also the chief guest on the occasion. Prof Nitin Tripathi, dean, Asian Institute of Technology, Thailand, was the guest of honour and he emphasized more upon requirement of e-model of business. Besides, Tripathi praised the theme of the conference, calling it the most relevant subject of present times. On the occasion, chancellor of SRMCEM, Pankaj Agarwal, highlighted the benefits of the e-business to the current business scenario.

वर्ष 39 अंक 15
पृष्ठ 20+4=24
लखनऊ, शुक्रवार
3 नवंबर 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

आने वाले कल का आधार ई बिजनेस

श्री रामस्वरूप मेमोरियल ग्रुप ऑफ प्रोफेशनल कॉलेजेज व श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में ई बिजनेस : समस्याएं एवं समाधान विषय पर अंतरराष्ट्रीय शोध सम्मेलन का आयोजन हुआ। न्मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुंचे उड़ीसा सरकार के वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो . सुधाकर पांडा ने कहा कि मौजूद परिवेश टेक्नोलॉजी से इतना प्रेरित और उसके प्रति उन्मुख है कि आनेवाले भविष्य का आधार सिर्फ ई बिजनेस होने वाला है।

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली/ लखनऊ > शुक्रवार, 3 नवंबर 2017 > कार्तिक 12 शक 1939 कार्तिक शुक्ल 14 विक्रम 2074 www.nbt.in पेज 20*> मूल्य सिर्फ 3.00 रु.

'आने वाला समय ई-बिजनेस का'

एनबीटी सं.लखनऊ: श्री राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में गुरुवार को ई-बिजनेस पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर बिरला ग्लोबल विवि के कुलपति सुधाकर पांडा ने कहा कि देश में टेक्नॉलजी का रोज विकास होता जा रहा है। आने वाला समय ई-बिजनेस का है। हमारे युवा टेक्नॉलजी को तेजी से अपना रहे हैं इसलिए ई-बिजनेस भी तेजी से बढ़ रहा है। इस दौरान एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ थाईलैंड के डीन नितिन त्रिपाठी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के संयोजक बीबी तिवारी ने कहा ई बिजनेस समय की मांग के है, जो इसे नहीं अपनाएगा वह पीछे रह जाएगा। कॉन्फ्रेंस में कुल 29 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

www.पत्रिका.भारत

पत्रिका

ई-बिजनेस का जमाना है, इसे समझना जरूरी

PRASHANT SRIVASTAVA

LUCKNOW, UTTAR PRADESH, INDIA

आज का परिवेश इतना टेक्नालाजी से प्रेरित है कि आनेवाला भविष्य का आधार केवल यही ई-बिजनेस होने वाला है।

लखनऊ. आज का परिवेश इतना टेक्नालाजी से प्रेरित है कि आनेवाला भविष्य का आधार केवल यही ई-बिजनेस होने वाला है। आज भारत गरीबी तथा बिमारियों से घिरा हुआ देश से होकर टेक्नालाजी प्रधान देश हो गया है। यह कहना था बिरला ग्लोबल विश्वविद्यालय के ति तथा उड़ीसा सरकार में वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुधाकर पण्डा जो मुख्य अतिथि के तौर पर ''ई-बिजनेस: समस्याएं एवं समाधान '' के विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। ये सेमिनार श्री रामस्वरूप मेमोरियल ग्रुप आफ प्रोफेशनल कालेजेज तथा श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र में प्रो नितिन तिवारी(एआईटी थाईलैण्ड) विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि भारत आज विश्व रैंकिंग में ''ईज ऑफ बिजनेस डूइंग इंडेक्स'' में ऊंची छलांग लगाते हुए विश्व के सुविधा देशों में शामिल हो चुका है। इस अन्तरराष्ट्रीय शोध सम्मेलन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एस.आर.एम.यू. के चांसलर इं पंकज अग्रवाल ने कहा कि आज स्मार्ट फोन और टैबलेट के प्रयोग ने कम्प्यूटर का स्थान ले लिया है। जिससे सूचना का प्रवाह अत्यन्त तीव्र हो गया है, इससे विभिन्न सोशल साइट पर एक साथ उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी ने डिजिटल उपस्थिति को भी सरल बना दिया है, जिससे ई बिजनेस करना आज सुगम हो चुका है।

एस.आर.एम.जी.पी.सी. के निदेशक व सम्मेलन के संरक्षक प्रो. आरके जायसवाल ने अतिथियों तथा शोध-सम्मेलन में प्रतिभाग कर रहे शोधार्थियों का अपने व्यस्तम समय के बावजूद शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा उन्होंने शोध-सम्मेलन के विषय-वस्तु पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस सम्मेलन में कई अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थाओं तथा संगठनों से कुल 250 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

कार्यक्रम के अन्त में निदेशक प्रो.आरके जायसवाल ने शोधार्थियों, प्रतिभागियों, मीडिया तथा सम्मेलन के सफल आयोजन में अमूल्य योगदान दे रहे शिक्षकों तथा छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में प्रो एम बी जौहरी, प्रो एस आर आदि उपस्थित रहे।

विवाह प्रस्ताव की तलाश कर रहे हैं ? भारत मैट्रिमोनी में निःशुल्क रजिस्टर करें !

लखनऊ, शुक्रवार, 3 नवम्बर, 2017

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी एवं इलाहाबाद से प्रकाशित

अवसादग्रस्त लोगों के लिए सोच में बदलाव जरूरी : रामनाथ कोविंद - 16

आने वाले भविष्य का आधार केवल ई-बिजनेस होगा:प्रो. सुधाकर

लखनऊ। श्री रामस्वरू प मेमोरियल ग्रुप आफ प्रोफेशनल कालेजेज और श्री रामस्वरू प मेमोरियल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में अर्न्तराष्ट्रीय शोध सम्मेलन ई-विजनेसः समस्याएं एवं समाधान विषय पर आयोजित किया गया।

सम्मेलन

एसआरएमय में अर्न्तराष्ट्रीय शोध सम्मेलन आयोजित

गरीबी व बीमारियों से घिरा भारत अब हो गया है टेक्नालाजी प्रधान देश

इस सम्मेलन में एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी नालेज पार्टनर व एसोचैम यूपी चैप्टर के समन्वयन में हो रहा है। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि के रू प में बिरला ग्लोबल विश्वविद्यालय के कुलपति व उड़ीसा सरकार में वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुधाकर पण्डा ने मां सरस्वती की

प्रतिमा पर माल्यार्पण और द्वीप प्रज्ज्वलन करके किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज का परिवेश इतना टेक्नालाजी से प्रेरित और उसके प्रति उन्मुख है कि आने वाला भविष्य का आधार केवल यही ई-विजनेस होने वाला है। आज भारत अपने गरीबी तथा बीमारियों से घिरा हुआ देश से होकर टेक्नालाजी प्रधान देश हो गया है।

उद्घाटन सत्र में प्रो. नितिन तिवारी एआईटी थाईलैण्ड विशिष्ट अतिथि के रू प में कहा कि भारत आज विश्व रैंकिंग में ईज ऑफ विजनेस डूइंग इंडेक्स में उंची छलांग लगाते हुए विश्व के चुनिन्दा देशों में शामिल हो चुका है। इस अन्तराष्ट्रीय शोध सम्मेलन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसआरएमयू के चान्सलर ई. पंकज अग्रवाल ने कहा कि आज स्मार्ट फोन और टैबलेट के प्रयोग ने कम्प्यूटर का स्थान ले लिया है। जिससे सूचना का प्रवाह अत्यन्त तीव्र हो गया है, इससे विभिन्न सोसल साइट पर एक साथ उपस्थिति दर्ज करा सकते है। सूचना प्रौद्योगिकी ने डिजिटल उपस्थिति को भी सरल बना दिया है, जिससे ई विजनेस करना आज सुगम हो चुका है।

एसआरएमजीपीसी के निदेशक व सम्मेलन के संरक्षक प्रो. आर के जायसवाल ने अतिथियों तथा शोध-सम्मेलन में प्रतिभाग कर रहे शोधार्थियों का अपने व्यस्तम समय के बावजूद शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा उन्होने शोध-सम्मेलन के विषय-वस्तु पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस सम्मेलन मे कई अंन्तराष्ट्रीय शोध संस्थाओं तथा संगठनो से कुल 250 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक टाईम, बैंक ऑफ इंण्डिया, सेतपा, इंविजन होण्डा आदि रहे। कार्यक्रम के अन्त में निदेशक प्रो आर के जायसवाल ने शोधार्थियों, प्रतिभागियों, मीडिया तथा सम्मेलन के सफल आयोजन में अमूल्य योगदान दे रहे शिक्षकों तथा छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में एसो. डी प्रो. एम बी जौहरी, प्रो. एस. अली, कर्नल हनुमान प्रसाद तथा डा. बीबी तिवारी आदि गणमान्य उपस्थित रहे। वसं.